शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) से (ग). जी हां, मैनुअल अनुवाद एकक के कर्मचारियों में से 7 अनुसन्धान सहायक और 2 तकनीकी सहायक लेकर 2 अगस्त, 1966 को अस्थायी व्यवस्था के रूप में तदर्थ आधार पर एक संदर्भ और समन्वय सैल की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य मैनुअलों आदि के अनुवाद में इस्तेमाल किये गये शब्दों और अभिव्यक्तियों के संदर्भ-कार्ड तैयार करना था। यह काम 1 अप्रैल, 1967 से बन्द कर दिया गया है जो कार्य इस सैल की स्थापना के समय सौंपा गया था वह समाप्त हो चुका है।

हिन्दू त्यौहारों पर छुट्टी

3854. श्री महन्त दिग्विजय नाथ :
श्री अचल सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिये होली, शिवरात्री, बैसाखी, रक्षा बन्धन जैसे महत्वपूर्ण त्यौहारों पर छुट्टी घोषित न किये जाने के क्या कारण हैं ; जब कि अन्य जातियों के त्यौहारों की छुट्टियों में कोई कमी नहीं की गई है ; और

(ख) क्या चालू वर्ष की छुट्टियों की सूची सभा-पटल पर रखी जायेगी ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री के० एस० रावास्वामी) : (क) द्वितीय वेतन आयोग की सिफारिशों के परिणामस्वरूप, सार्वजनिक छुट्टियों की संख्या 23 से घटा कर 16 कर दी गई थी। चूंकि हिन्दू त्यौहारों के लिये छुट्टियों की संख्या सब से अधिक थी, अतः उन में से कुछ को कम करना पड़ा। रक्षा बन्धन को कभी भी सार्वजनिक छुट्टी नहीं रही, जब कि होली को अब भी सार्वजनिक छुट्टी मनाई जाती है। शिवरात्री तथा बैसाखी वैकल्पिक छुट्टियों की सूची में सम्मिलित हैं और कोई भी कर्मचारी, जो इन त्यौहारों को मनाना चाहता है, एक वर्ष में दी गई दो वैकल्पिक छुट्टियों को लेकर मना सकता है।

(ख) 1967 की छुट्टियों की सूची सभा-पटल पर रखी गयी है। [पुस्तकालय में रख दी गई। देखिये संख्या LT 830/67]

Telephone System

3855. Shri Yashpal Singh:
Shri Ram Gopal Shalwale:

Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to appoint a Committee comprising of eminent publicmen, trade union leaders and experts in the technical field to look into the various defects of the present telephone system; and

(b) if so, when a decision would be taken?

The Minister of State in the Departments of Parliamentary Affairs and Communications (Shri I. K. Gujral): (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

Photo Interpretation Institute, Survey of India, Dehra Dun

3856. Shri Bibhuti Mishra:
Shri K. N. Tiwary:

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) the number of foreign experts in photogrammetry attached to Indian Photo Interpretation Institute, Survey of India, Dehra Dun;

(b) the reason for the appointment of the foreign experts; and

(c) whether aerial photographs were used by the All India Soil and Land Use Survey, Geological Survey, Oil and Natural Gas Commission, Central

Arid Zone Research Institute, Jodhpur etc. before the establishment of the above Institute?

The Minister of State in the Ministry of Education (Shri Bhagwat Jha Azad): (a) No foreign expert in photogrammetry has been attached to the Institute.

(b) Does not arise.

(c) Yes, Sir,—aerial photographs were used by all these four organisations.

Tour of India by a Team of Scouts from Britain

3857. Shri Atam Das: Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a team of the British Scouts called the 'British Scout Expedition to Australia' is touring India en route to Australia; and

(b) if so, the details of the facilities provided to them?

The Minister of State in the Ministry of Education (Shri Bhagwat Jha Azad): (a) Yes, Sir.

(b) No facilities were asked for.

Enforcement of Indian Trade Union (Amendment) Act, 1947

3858. Shri K. P. Singh Deo: Will the Minister of Labour and Rehabilitation be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Trade Union (Amendment) Act of 1947 has not been fully enforced; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Minister of Labour and Rehabilitation (Shri Hathi) (a) Yes.

(b) The policy of the Government is to lay emphasis on voluntary recognition of trade unions rather than on compulsory recognition, as provided in the Act. The Indian Labour Conference (May, 1958) laid down certain 'Criteria' for voluntary recognition of Trade Unions, which now form part of the Code of Discipline in Industry.

नई दिल्ली में शंकर मार्केट में झुग्गियों में आग लगने की घटना

3859. श्री ब्रह्मानन्द जी :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकुम चन्द कछवाय :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 5 जून, 1967 को नई दिल्ली में शंकर मार्केट के निकट 80 झुग्गियों में आग लग गई थी ;

(ख) यदि हां, तो आग लगने के क्या कारण थे ;

(ग) इसके परिणामस्वरूप कितनी हानि हुई ; और

(घ) सरकार ने क्या सहायता दी ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (घ) 5 जून, 1967 को शंकर मार्केट के निकट कोई ऐसी आग नहीं लगी जिसमें 80 झुग्गियां जली हों । सम्भवत: नई दिल्ली में मिन्टो पुल के निकट की झुग्गियों में 31 मई, 1967 को लगी आग की ओर संकेत किया गया है । इस आग से 100 से अधिक झुग्गियां नष्ट हो गई । इस अग्निकांड का कारण झुग्गियों में से एक पर गिरने वाली चिंगारी बताया जाता है । लगभग 40,000 रुपये की क्षति का अनुमान है । नई दिल्ली नगरपालिका द्वारा 40 रुपये प्रति झुग्गी के हिसाब से एक तदर्थ अनुदान स्वीकार किया गया है ।

केन्द्रीय सेवाओं में राज्यों का प्रतिनिधित्व

3860. श्री तु० राम : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय सेवाओं में प्रत्येक राज्य के कितने-कितने प्रतिशत कर्मचारी हैं ?